

नैनों में साईं सुखकारी हैं कथा के विहारी हैं  
प्रेम के पुजारी हैं॥

साईं साहिब जी सूरति रसीली मालिक मिठे जी निगाह  
नशीली

साहिब सचे साहिब सचे साहिब सचे जे बोलनि तां बलहारी  
है

सभु नर नारी हैं प्रेम के पुजारी हैं॥

महिबत राज जो साईं महाराजा

सदां खोले वेठो दया दरवाजा

सतिसंग जी सतिसंग जी सतिसंग जी संसार में साहिब लाती  
अजबु बहारी है प्रेम पुजारी है॥

शेवा शील सनेह जो सागर

मिठिड़ो बाबलु साईं रूप उजागर

जिते किथे जिते किथे जिते किथे पाताल सुरिग में  
जानिब जो जसु जारी है प्रेम पुजारी है॥

साईं साहिब तां सर्वसु वारूं साईं साईं दिन राति पुकारूं

मतिवाले मतिवाले मतिवाले साईं जे स्वभाव ते

राजा और भिखारी हैं प्रेम पुजारी हैं॥

गरीबि श्रीखण्डि जा मंगल मनायूं  
श्री मैगसि अमां तुहिंजा गुण नितु गायूं

जानिब मिठा जानिब मिठा जानिब मिठा जगत में तवहांजी  
साहिबी सदा सोभारी है प्रेम पुजारी हैं॥